पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2018-20 प्रकाशितः 16.04.2019 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-110007, चलभाष : 9810117464, 9868051444

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्
राष्ट्रीय कार्यकारिणी व सक्रिय कार्यकताओं की आवश्यक बैठक
रविवार, 21 अप्रैल 2019, दोपहर 3.00 बजे
सार्वदेशिक सभा, महर्षि दयानन्द भवन, आसिफ अली रोड़,नई दिल्ली।
कृपया सभी साथी समय पर पंहुचे

वर्ष-35 अंक-22 वैशाख-2076 दयानन्दाब्द 196 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2019 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशितः 16.04.2019, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

नववर्ष विक्रमी सम्वत् व 145 वां आर्य समाज स्थापना दिवस इन्द्रापुरम में सम्पन्न

भगवा रंग हमारी त्याग और बलिदान की संस्कृति का सन्देश देता है – अनिल आर्य

सम्बोधित करते राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य,दांये देवेन्द्र गुप्ता व बांये प्रवीन आर्य। द्वितीय चित्र–आर्य नेता श्री मायाप्रकाश त्यागी का स्वागत करते अनिल आर्य, प्रवीन आर्य, विनोद त्यागी,अभिषेक गुप्ता,देवेन्द्र गुप्ता,संजय आर्य व अंकित आर्य।

रविवार, 7 अप्रैल 2019, ए.टी.एस.आर्य परिवार, इन्द्रापुरम, गाजियाबाद के तत्वावधान में नववर्ष विक्रमी सम्वत् 2076 व 145 वें आर्य समाज स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में श्री सनातन धर्म मन्दिर में 11 कुण्डीय यज्ञ व भव्य वैदिक सत्संग का आयोजन किया गया। परिषद् के महामन्त्री आचार्य महेन्द्र भाई ने यज्ञ सम्पन्न करवाया।

समारोह के मुख्य अतिथि केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि भगवा रंग हमारी त्याग और बलिदान की संस्कृति का सन्देश देता है,लेकिन आज कुछ लोगों को भगवे से भी डर लगने लगा है। उन्होंने कहा कि आज देश में राष्ट्रवादी व राष्ट्र विरोधी ताकतें आमने सामने खड़ी दिखाई दे रही है हमें राष्ट्रवादी शक्तियों को मजबूत बनाने का काम करना है जब राष्ट्र रहेगा तो हम सब भी रहेंगे तभी हमारी संस्कृति बचेगी। आज कुछ राजनेताओं द्वारा दो प्रधानमन्त्री का नया राग अलापा जा रहा है और देश की सम्प्रभुता को चुनौती देने वाले वक्तव्य दिये जा रहे है,ऐसे देश विरोधी व्यक्तियों के विरूद्व केन्द्र सरकार को कठोरतम कार्यवाही करनी चाहिये। श्री आर्य ने आम जन में जाकर महर्षि दयानन्द का सन्देश जन जन तक पंहुचाने का आहवान किया।

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के कोषाध्यक्ष श्री मायाप्रकाश त्यागी ने संस्कृति, विकृति व प्रगति के अतंर को समझाया। समारोह की अध्यक्षता समाजसेवी श्री विनोद त्यागी ने की व कुशल संचालन श्री अभिषेक गुप्ता ने किया। श्रीमती प्रवीन आर्या,प्रवीन आर्य (प्रान्तीय महामंत्री उ.प्र.), मंजु एबट, पवित्रा त्यागी, रेनु भाटिया के मधुर भजन हुए। इस अवसर पर यज्ञवीर चौहान, योगेन्द्र गुप्ता, विजय छाबड़ा, प्रदीप त्यागी, एस.पी.कोहली, एस.के.अग्रवाल, अंकित आर्य (मुरादाबाद) आदि प्रमुख रूप से विद्यमान थे। संयोजक श्री देवेन्द्र गुप्ता ने सभी का आभार व्यक्त किया व परिषद् के प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने 21 युवकों के साथ प्रातः काल ही पंहुच कर सुन्दर व्यवस्था सम्भाली। ऋषि लंगर का आनन्द लेकर सभी आर्य जन नये उत्साह के साथ विदा हुए।

गुरूकुल खेड़ाखुर्द में अनिल आर्य व लाजपत नगर में सांसद मीनाक्षी लेखी का अभिनन्दन

रविवार, 31 मार्च 2019, गुरूकुल खेड़ा खुर्द,दिल्ली का 74वां वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। चित्र में–परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य का अभिनन्दन करते गुरूकुल के प्रधान चौ. ब्रहमप्रकाश मान व मन्त्री श्री मनोज मान, स्वामी विश्वानन्द जी (मथुरा) व सुनील मान। श्री नरेन्द्र आर्य सुमन, प्रवीन आर्या, आचार्य योगेन्द्र शास्त्री के मधुर गीतों पर लोग झूम उठे। संचालन आचार्य सुधांशु जी ने किया। द्वितीय चित्र–शनिवार, 6 अप्रैल 2019, हरे कृष्णा मन्दिर लाजपत नगर, नई दिल्ली में नव सम्वत् व आर्य समाज स्थापना दिवस सोल्लास मनाया गया। मुख्य अतिथि सांसद मीनाक्षी लेखी का अभिनन्दन करते परिषद् अध्यक्ष अनिल आर्य, पार्षद कविता मल्होत्रा व प्रवीन आर्या। आचार्य वीरेन्द्र विक्रम का ओजस्वी उदबोधन व प्रवीन आर्या के मधुर भजन हुए। कुशल संचालन आर्य समाज लाजपत नगर के महामन्त्री श्री सुरेन्द्र शास्त्री ने किया। श्री सुभाष मल्होत्रा,श्री बोधराज सीकरी,लाजपत नगर के प्रधान श्री राजेश मेहन्दीरता, कालका जी के प्रधान रमेश गाडी, अमर कालोनी से भारत भूषण साहनी, अजय कपूर, वर्षा मोंगा, अमित कत्याल, सुरेन्द्र तलवार आदि भी उपथित रहे।

रामनवमी संसार के एक प्राचीन आदर्श राजा राम से जुड़ा पावन पर्व है

—मनमोहन कुमार आर्य

भारत का सौभाग्य है कि इस देश की धरती पर सृष्टि के आरम्भ में सर्वव्यापक ईश्वर से चार ऋषियों को चार वेदों का ज्ञान प्राप्त हुआ था। इन चार वेदों के विषय ज्ञान, कर्म, उपासना एवं विशिष्ट ज्ञान है। वेद ईश्वर से ही उत्पन्न हुए हैं। यह पौरूषेय रचना नहीं अपितु अपौरूषेय रचना है। वेदों के अतिरिक्त संसार के सभी ग्रन्थ मनुष्यों द्वारा रचित पौरूषेय रचनायें हैं। मनुष्य एकदेशी अनादि सूक्ष्म चेतन तत्व होने से अल्पज्ञ है। अल्पज्ञ का अर्थ है मनुष्य का ज्ञान अत्यन्त अल्प होता है। ईश्वर अनादि, अनन्त, सब विकारों से रहित, सुख व दुःख से भी रहित, सर्वव्यापक, सर्वशक्तिमान एवं सर्वान्तर्यामी होने से सर्वज्ञ है। वह सृष्टि के आदिकालीन इतिहास से अब तक की सब वस्तुओं को जानता है तथा उसे इस सृष्टि की रचना, पालन, प्रलय, जीवों के कर्म, उनके फल का विधान आदि सभी प्रकार का सत्य, पूर्ण, यर्थात एवं दोषरहित ज्ञान है। ईश्वर निष्पक्ष एवं न्यायकारी अनादि एवं अविनाशी सत्ता है। उसके न्याय के सम्मुख संसार के सभी न्याय तुच्छ है। मनुष्य अच्छे व बुरे कर्म करके सांसारिक न्याय व दण्ड व्यवस्था से तो बच सकता है परन्तु ईश्वर का विधान है कि उसे अपने प्रत्येक शुभ व अशुभ कर्म का फल ईश्वर की व्यवस्था से मिलता है। संसार में इसका भलीभान्ति पालन होता भी दिखाई दे रहा है। हमारे व सभी प्राणियों के अस्तित्व का कारण हमारे पूर्व जन्म—जन्मान्तरों के वह कर्म हैं जिनका जन्म लेने से पूर्व भोग नहीं हुआ था। इसका कारण है कि सरकारी व शासकीय व्यवस्था किसी मनुष्य के सभी कर्मों का फल व भोग प्रदान नहीं करा सकती।

मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम त्रेता युग में न्यूनतम 8.70 लाख वर्षों से भी पूर्व इस संसार में ऐसे ही महापुरुष थे जैसे कि आज संसार में कुछ इन गिने श्रेष्ठ महापुरुष हो सकते हैं। उन सबसे अधिक गुणवान, बल, शक्ति, श्रेष्ठ वेदों का आचरण करने में वह अग्रणीय थे। राम विश्व इतिहास के आदर्श राजा हैं। उनके राज्य में सबसे न्याय होता था। मर्यादा पुरुषोत्तम राम के राज्यकाल में सब को वेद पढ़ने और अपने जीवन में श्रेष्ठ गुणों को धारण करने का अधिकार था। लोग ऋषि मुनियों के आश्रम में जाकर निःशुल्क वेद वेदांगों का अध्ययन करते थे। जन्मना जातिवाद, दलित, अगड़े—पिछड़ों व अस्पर्शयता आदि की कोई समस्या नहीं थी। सब धनवान थे और सुखी व वैदिक मान्यताओं के अनुरूप जीवन जीते थे। राम के न्याय से डर कर किसी व्यक्ति में अपराध करने का विचार तक भी नहीं आता था। यदि कोई करता था तो उसे राज्य व्यवस्था से तत्काल व शीघ्रतम दण्ड मिलता था। रामचन्द्र जी में किसी मनुष्य में धारण करने योग्य सभी गुण अपनी पराकाष्ठा में थे। इसी से प्रेरित होकर उस युग के महान महाकवि ऋषि बाल्मीकि जी ने मर्यादा पुरुषोत्तम राम को अपने इतिहास लेखन का चरित नायक बनाया था। ऋषि वह होता है जो किसी के गुणों की मिथ्या प्रशंसा या चापलूसी नहीं करता जैसा कि आजकल देश की राजनीति में प्रतिदिन देखने को मिलता है। ऋषि यदि किसी के गुण का उल्लेख करता है तो वह उसमें अवश्य होता है। वह अधिक को बहुत अधिक न प्रकट कर सन्तुलित या सम्यक रूप में ही प्रस्तुत करता है। हम अनुमान करते हैं कि बाल्मीकि रामायण में श्री रामचन्द्र जी के जिन गुणों का वर्णन है, उनमें वह गुण कहीं अधिक विद्यमान थे।

बाल्मीकि रामायण को लिखे लाखों वर्ष हो गये। मध्यकाल में कुछ दुष्ट आत्माओं ने भारत के ऋषियो के ग्रन्थों में अपनी मिथ्या व स्वार्थपूर्ण मान्यताओं का प्रक्षेप कर इन्हें दूषित करने का प्रयास किया। मनुस्मृति सहित रामायण एवं महाभारत आदि ग्रन्थों में वेद विरुद्ध अनेक प्रक्षेप किये गये। देश व संसार ऋषि दयानन्द के ऋणी हैं जिनकी मेधा बुद्धि ने मध्यकाल में स्वार्थी लोगों द्वारा किये गये प्रक्षेपों को जाना, पहचाना व उन्हें पहचानने करने की कसौटी बताई। उन्होंने कहा है कि वेद—विरुद्ध प्रक्षेप विष—सम्पृक्त अन्न के समान होता है। ऋषियों के ग्रन्थों में कोई भी वेद विरुद्ध या प्रसंग विरुद्ध बात आती है तो वह प्रक्षिप्त होती है। इसी आधार पर आर्य विद्वानों ने मनुस्मृति का संशोधन एवं सुधार किया है। ऋषि दयानन्द—भक्त स्वामी जगदीश्वरानन्द सरस्वती जी ने भी इस सिद्धान्त व नीति के आधार पर रामायण एवं महाभारत का परीक्षण कर उनके शुद्ध संस्करण प्रस्तुत किये हैं जिससे मानव जाति का अत्यन्त उपकार हुआ है। अनेक उपनिषदें भी ऐसी हैं जिनमें वेदविरुद्ध अंश पाया जाता है। ऐसे ग्रन्थ या तो वेदों के सत्य ज्ञान से अनभिज्ञ विद्वानों के लिखे ग्रन्थ होते हैं या फिर वह प्रक्षिप्त होते हैं। इसी कारण आर्यसमाज उपनिषदों में केवल 11 उपनिषदों को प्रामाणिक मानता है।

श्री रामचन्द्र जी के जीवन की जो घटना मनुष्यों को सबसे अधिक प्रभावित करती है वह उनका माता—पिता का आज्ञाकारी होना है। उन्होंने दिखा दिया कि पिता की आज्ञा के सम्मुख चक्रवर्ती राज्य भी महत्व नहीं रखता। पिता की आज्ञा दिये बिना केवल परिस्थितियों को जानकर राजा रामचन्द्र जी ने 14 वर्ष के लिये वन जाकर रहने का अपूर्व निर्णय किया था और वहां वह वनवासी लोगों के सम्पर्क में आये थे। उनका सहयोग करते व लेते हुए उन्होंने वहां की राज्य व्यवस्था को भी ठीक किया था। वनवास की अवधि में ही उन्होंने सुग्रीव के महाबली भाई बाली का वध किया था। बाली से उनका किसी प्रकार का वैरभाव नहीं था परन्तु बाली ने सुग्रीव के साथ जो अधर्मयुक्त व्यवहार किया था उसका दण्ड देने के लिये उन्होंने एक राजा होने के कारण दण्डित कर उसे प्राणदण्ड दिया था। यह एक प्रकार के उस समय के दुष्ट राजाओं को एक उदहारण था कि यदि कोई राजा अधर्मयुक्त आचरण करेगा तो वह राम से दण्डित हो सकता है। जिन दिनों रामचन्द्र जी वन में थे, वहां ऋषि, मुनि, साधु, संन्यासी व साधक ईश्वर का साक्षात्कार करने की साधना करते थे। उनका समय ईश्वर विषयक ग्रन्थों के स्वाध्याय, साधना, ईश्वरोपासना एवं अग्निहोत्र यज्ञ आदि सहित गोपालन व कृषि कार्यों में व्यतीत होता था। लंका के राजा रावण के राक्षस सैनिक उन्हें परेशान करते व मार देते थे। राम चन्द्र जी के वन में आने से उन्होंने ऋषियों की रक्षा का व्रत लिया और वनों को प्रायः सभी राक्षसों से रहित कर दिया था। इससे सभी ऋषि मुनियों की सुरक्षित जीवन सुखमय उपलब्ध हुआ था और सबने रामचन्द्र जी को अपना आशीर्वाद दिया था जिससे आगे चलकर राम—रावण युद्ध में वह सफल हुए थे।

वनवास में रहते हुए राम चन्द्र जी की धर्मपत्नी माता सीता जी का रावण ने अपहरण कर लिया था। राम ने सुग्रीव के सहयोग से सेना तैयार की और समुद्र पर पुल बांधने का अद्वितीय व आज भी असम्भव कार्य किया था। उनके सभी सैनिक लंका पहुंचे थे और उस समय के सबसे शक्तिशाली राजा रावण से युद्ध कर उसके सभी सेनापतियों व योद्धओं को मार डाला था। रावण स्वयं युद्ध में मारा गया। यह राम—रावण युद्ध धर्म—अधर्म के मध्य युद्ध था जिसमें धर्म की विजय हुई थी। राम वैदिक आर्य राजनीति के मर्मज्ञ थे। उन्होंने लंका को अपना उपनिवेश न बनाकर रावण के धार्मिक प्रवृत्ति के भाई विभीषण को वहां का राजा बना कर एक प्रशंसनीय उदाहरण प्रस्तुत किया था। रावण की ही तरह पड़ोसी देश पाकिस्तान का भी विगत 72 वर्षों से भारत के साथ व्यवहार है। वह आतंकवाद के माध्यम से भारत से छद्म युद्ध कर रहा है। हमारे हजारों सैनिक इस कारण अपने प्राणों से हाथ धो बैठे हैं। यदि विगत समय में राम जैसा कोई राजा भारत में होता तो उसकी वही दशा होती जो राम ने रावण की की थी। इस दृष्टि से प्रधानमंत्री मोदी जी कुछ अच्छे राजा अर्थात् प्रधानमंत्री सिद्ध हुए हैं। रामायण में राम व सीता जी को हम हर परिस्थिति में धर्म का पालन व धर्म की रक्षा करते हुए देखते हैं। वह विपरीत से विपरीत परिस्थिति में धैर्य रखते थे। धैर्य ही धर्म का प्रथम लक्षण है। इसका हमें भी ध्यान रखना चाहिये। राम चन्द्र जी को एक बलवान, ब्रह्मचारी, वीर, साहसी, देशभक्त, वेदभक्त, ईश्वरभक्त, स्वामीभक्त शिष्य व भक्त हनुमान मिले थे। राम को अपने वनवासी जीवन में उनसे अनेक प्रकार की सहायता प्राप्त हुई। राम व हनुमान का स्वामी—सेवक सम्बद्ध आदर्श सम्बन्ध रहा है। इसे पढ़कर हम ऐसा अनुभव करते हैं कि हमें अपना आदर्श किसी सामान्य व्यक्ति को नहीं अपितु श्री राम जैसे व्यक्ति को बनाना चाहिये जिसमें गुणों की पराकाष्ठा हो। वर्तमान समय में इसकी पूर्ति मर्यादा पुरुषोत्तम राम, योगेश्वर श्रीकृष्ण व महर्षि दयानन्द के जीवन को अपनाकर की जा सकती है। यदि हम ऐसा करेंगे तभी देश सुरक्षित रहेगा अन्यथा नहीं, ऐसा हम अनुभव करते हैं। रामनवमी के अवसर पर हमें बाल्मीकी रामायण के प्रेरक प्रसंगों को पढ़कर उनसे प्रेरणा लेकर अपने जीवन का कल्याण करना है। इस अवसर पर पौराणिक कथाओं व पूजा के स्थान पर श्री राम चन्द्र के चरित्र पर विद्वानों के प्रवचन होने चाहिये जो उनके गुणों को प्रस्तुत कर लोगों को उन जैसा बनने की प्रेरणा करें। तभी रामनवमी का पर्व मनाना सार्थक हो सकता है।

रामचन्द्र जी की एक बात जो हमें बहुत प्रभावित करती है उसे भी यहां लिख देते हैं। राम ने वनगमन से पूर्व जब पिता को अर्धमूर्च्छित अवस्था में देखा तो उन्होंने उसका कारण बताने को कहा था। दशरथ जी के मौन रहने पर उन्होंने प्रतिज्ञापूर्वक कहा था कि आप मुझे निःसंकोच अपने मन की बात कहें। यदि आपकी आज्ञा पालन करने के लिये मुझे चिता की अग्नि में कूदना भी पड़े तो भी मैं उस पर बिना विचार किए कूद जाऊंगा। इतिहास में किसी पुत्र ने अपने पिता को ऐसी बात कही हो इसका कोई उदाहरण नहीं मिलता। राम ने अपने जीवन में जो कार्य किये वैसे कार्य भी किसी अन्य ने किये हों, विश्व इतिहास में इसका भी कोई उदाहरण नहीं मिलता। हम तो विगत अनेक शताब्दियों से लोगों को सत्ता प्राप्ति के लिये पागल सा हुआ देख रहे हैं। इतिहास में सत्ता के लिए भाई ने भाई को मारा है परन्तु वैदिक धर्म व इतिहास इसके विपरीत है। रामचन्द्र जी के इतिहास को अपनाकर ही देश की समस्याओं का समाधान का हो सकता है। रामनवमी के दिन आर्यों व हिन्दुओं को अपनी घटती जनसंख्या व उसके अनुपात पर भी ध्यान देना चाहिये। इसमें यदि असावधानी हुई तो वेद, वैदिक धर्म व सनातन धर्म इतिहास की वस्तु बन कर रह जायेंगी। रामनवमी पर्व के दिन हमें जन्मना जातिवाद दूर करने की भी शपथ व संकल्प लेना चाहिये। इसी से आर्य हिन्दू जाति सुरक्षित हो सकती है। हमें शुद्ध मन से मूर्तिपूजा, मृतक श्राद्ध, फलित ज्योतिष की अविश्वसनीयता व हानियों सहित अवतारवाद आदि की मान्यताओं पर वेद, दर्शन, उपनिषद एवं गुणदोष के आधार पर विचार एवं निर्णय करना चाहिये। इसी में जाति का हित छिपा हुआ है। चैत्र शुक्ल अष्टमी को जो बाल—नारी पूजन की प्रथायें प्रचलित हैं उस पर भी आधुनिक परिस्थितयों के अनुरूप चिन्तन कर उसे सार्थक रूप देने का प्रयास करना चाहिये। विद्वानों का काम पुरानी वस्तुओं की न्यूनताओं को दूर कर उसे आधुनिक समय के अनुकूल व अनुरूप बनाना होता है तभी वह अधिक लाभप्रद व उपयोगी बनती हैं। लकीर को पीटने से समय एवं भविष्य में हितों की हानि होती है व होती आ रही है।

196 चुक्खूवाला—2, देहरादून—248001, फोनः 09412985121

स्वामी दीक्षानन्द स्मृति दिवस तपोवन में

अग्निहोत्री धर्मार्थ ट्रस्ट के सौजन्य से स्वामी दीक्षानन्द स्मृति दिवस रविवार, 19 मई 2019 को प्रातः 8 बजे से दोपहर 1.00 बजे तक वैदिक साधन आश्रम,तपोवन,नालापानी,देहरादून में मनाया जायेगा। शुक्रवार 17 मई को स्पेशल बस यात्रा के लिए **सम्पर्क करेंः अनिल आर्य, मो. 9868051444**

शोक समाचारः विनम्र श्रद्धांजलि

1. श्रीमती सुदेश मेहता (धर्मपत्नि श्री एस. के. मेहता, गुरुग्राम) का निधन।
2. प्रो. वेदवती वैदिक (धर्मपत्नि डा.वेदप्रताप वैदिक) का निधन।
3. श्रीमती चन्द्रकांता शर्मा (आर्य समाज, रोहतास नगर, शाहदरा) का निधन।
4. श्रीमती कृष्णा कालरा (धर्मपत्नि श्री वीरेन्द्र कालरा, छतरपुर) का निधन।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली के तत्वावधान में **राष्ट्रीय शिविर**

शिक्षाविद् डा.अमिता चौहान व डा.अशोक कु. चौहान के सान्निध्य में

विशाल आर्य युवक व्यक्तित्व विकास व चरित्र निर्माण शिविर

स्थानः ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कुल, सैक्टर–44,नोएडा, उ. प्र.

उद्घाटन समारोहः शनिवार, 8 जून 2019, सायं 5 बजे से 7.00 बजे तक

भव्य समापन व दीक्षान्त समारोहः

रविवार, 16 जून 2019, प्रातः 11 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक

आर्य युवकों द्वारा भव्य व आकर्षक व्यायाम प्रदर्शन के कार्यक्रम होंगे

आर्य जनता से अपीलः–

शिविर एक युवा संस्कार निर्माण का रचनात्मक कार्यकम है,जिसकी आज सर्वत्र आवश्यकता है,अतः आपसे अनुरोध है कि कक्षा 6 से 12 वीं तक के बच्चों को शिविर में अवश्य भेजें । सभी शिविरार्थी शनिवार, 8 जून को दोपहर 12 बजे शिविर स्थल पर रिपोर्ट करें । उद्घाटन व समापन समारोह के अवसर पर सपरिवार पंहुच कर युवा शक्ति को अपना आशीर्वाद प्रदान करें तथा लगातार 9 दिन तक प्रातः,दोपहर व रात्री को निरन्तर चलने वाल ''ऋषि लंगर'' के लिये आटा,दाल,चावल,चीनी,दलिया,सब्जी,मसाले,दूध,घी या रिफाईण्ड दान देकर पुण्य के भागी बने ।

अपना आर्थिक सहयोग कृपया कास चैक/ड्राफट द्वारा ''केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली'' के नाम से कार्यालयः आर्य समाज,कबीर बस्ती,पुरानी सब्जी मण्डी,दिल्ली–110007 के पते पर भिजवाने की कृपा करें ।

आपके पूर्ण सहयोग के आकांक्षी–

आनन्द चौहान	अनिल आर्य	महेन्द्र भाई	धर्मपाल आर्य	सौरभ गुप्ता,अरूण आर्य
शिविर संरक्षक	शिविर संचालक	शिविर संयोजक	कोषाध्यक्ष	शिविर प्रबन्धक

कैथल युवक चरित्र निर्माण शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जिला कैथल के तत्वावधान में ''विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर '' दिनांक 5 जून से 12 जून 2019 तक आर्य विद्या पीठ, पबनावा, जिला कैथल, हरियाणा में आयोजित किया जा रहा है।

सम्पर्क– आचार्य राजेश्वर मुनि, 9896960064, कमल आर्य, 9068058200.

फरीदाबाद युवक चरित्र निर्माण शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जिला फरीदाबाद के तत्वावधान में ''विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर '' दिनांक 2 जून से 9 जून 2019 तक, सैनिक सीनियर सैकण्डरी स्कूल, भारत कालोनी, फरीदाबाद में आयोजित किया जा रहा है।

सम्पर्क करें– जितेन्द्रसिंह आर्य, 9210038065
वीरेन्द्र योगाचार्य, 9350615369

पलवल युवक चरित्र निर्माण शिविर

आर्य युवक परिषद् हरियाणा के तत्वावधान में आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर दिनांक 3 जून से 9 जून 2019 तक आर्य समाज, जवाहर नगर, पलवल, हरियाणा में आयोजित किया जा रहा है।

सम्पर्क करें–स्वामी श्रद्धानन्द जी, 9416267482

आगरा आर्य कन्या शिविर

आगरा में आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर दिनांक 3 जून से 9 जून 2019 तक कृष्णा इन्टर कालेज, महुआ खेड़ा, आगरा में लगेगा।

सम्पर्क करें–रमाकांत सारस्वत, 9719003853.

राष्ट्रीय शिक्षक अभ्यास शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली का राष्ट्रीय शिक्षक अभ्यास शिविर दिनांक 3 मई से 5 मई 2019 तक गुरूकुल खेड़ाखुर्द, दिल्ली–110082 में लगेगा।

सम्पर्क करें–सौरभ गुप्ता, संयोजक, 9971467978

मध्य दिल्ली युवक शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् मध्य दिल्ली मण्डल के तत्वावधान में दिनांक 13 मई से 19 मई 2019 तक हीरालाल जैन सीनियर सैकण्डरी स्कुल,सदर बाजार,दिल्ली–110006 में लगेगा।

सम्पर्क करें–संयोजकः गोपाल जैन, 9810756571

इन्दौर प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् मध्य प्रदेश के तत्वावधान में विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर '' दिनांक 20 मई से 26 मई 2019 तक कलोता विद्यापीठ, जलोदा, पंथ, देवालपुर, इन्दौर में लगेगा।

सम्पर्क करें– आचार्य भानुप्रताप वेदालंकार, 9977967777

जम्मू कश्मीर युवा निर्माण शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जम्मू कश्मीर के तत्वावधान में सोमवार, 17 जून से सोमवार, 25 जून 2019 तक विशाल प्रान्तीय युवा शिविर आर्य समाज,जानीपुर कालोनी,जम्मू में आयोजित किया जा रहा है।

सम्पर्क करें–सुभाष बब्बर, 9419301915. रमेश खजुरिया, 9419137720

दिल्ली में आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर

केन्द्रीय आर्य युवती परिषद् दिल्ली प्रदेश के तत्वावधान में ''विशाल आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर ''रविवार, 19 मई से 26 मई 2019 तक गीता भारती स्कूल, अशोक विहार, फेज–2, दिल्ली में लगेगा।

इच्छुक बालिकायें शीघ्र सम्पर्क करें फोनः 9711161843 राजरानी अग्रवाल, शिविर अध्यक्षा–उर्मिला आर्या, प्रदेश अध्यक्षा – अर्चना पुष्करना, प्रान्तीय महामन्त्री – प्रगति आर्या, शिक्षिका

अजमेर में आर्य वीरांगना शिविर

सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल के तत्वावधान में दिनांक 31 मई से 9 जून 2019 तक ''राष्ट्रीय आर्य वीरांगना शिविर'' महर्षि दयानन्द निर्वाण स्थली,अजमेर में आयोजित किया जा रहा है।

इच्छुक शीघ्र सम्पर्क करें– साध्वी डा.उत्मायति, प्रधान संचालिका, 9672286863– मृदुला चौहान, संचालिका, 9810702760

उड़ीसा में युवक चरित्र निर्माण शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् ओड़िसा के तत्वावधान में ''प्रान्तीय युवक चरित्र निर्माण शिविर'' दिनांक 10 मई से 16 मई 2019 तक गुरूकुल संस्कृत महाविद्यालय, वेद व्यास, राउरकेला, ओड़िशा में लगेगा।

सम्पर्कः–पं. धनेश्वर बेहरा, प्रान्तीय अध्यक्ष, 09438441227

आर्य जनता का विश्वास है हमारे साथ!!!

आर्य समाज, सफदरजंग एनक्लेव में रामनवमी व मदनगीर का वार्षिकोत्सव सम्पन्न

रविवार, 14 अप्रैल 2019, आर्य समाज, सफदरजंग एनक्लेव, नई दिल्ली में श्री रामनवमी पर्व सोल्लास मनाया गया। पं.लक्ष्मीकांत आर्य के मधुर भजन हुए व डा.नरेन्द्र वेदालंकार के प्रवचन हुए। चित्र में समाज के मन्त्री श्री स्वदेश गुप्ता के जन्मदिन के उपलक्ष्य में अभिनन्दन करते अनिल आर्य, डा. नरेन्द्र वेदालंकार व रामबाबु गुप्ता आदि। द्वितीय चित्र–रविवार, 31 मार्च 2019, आर्य समाज, मदनगीर, नई दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास मनाया गया। चित्र में मुख्य अतिथि अनिल आर्य का स्वागत करते स्थानीय विधायक, मण्डल के प्रधान श्री ओमप्रकाश यजुर्वेदी, महामन्त्री चतरसिंह नागर, संरक्षक श्री रविदेव गुप्ता व प्रि.श्यामलाल आर्य। कुशल संचालन कवि श्री विजय गुप्त ने किया व प्रधान श्री हरिचन्द आर्य, मंत्री श्री आनन्तराम आर्य ने आभार व्यक्त किया।

आर्य समाज, मॉडल बस्ती, करोल बाग दिल्ली की हीरक जयन्ती सम्पन्न

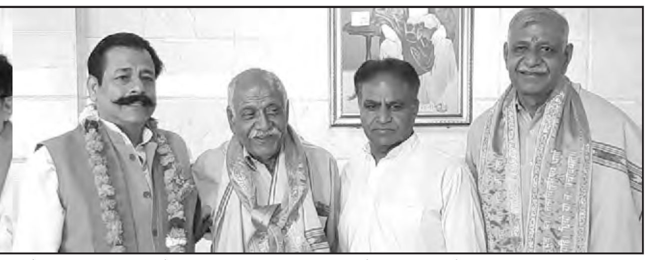

रविवार, 31 मार्च 2019,आर्य समाज, मॉडल बस्ती, दिल्ली का हीरक जयन्ती समारोह सोल्लास सम्पन्न हुआ। सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी के प्रवचन हुए। चित्र में–आर्य प्रकाशन के संचालक श्री सुभाष कोहली व श्री संजीव कोहली का अभिनन्दन करते विशिष्ट अतिथि श्री अनिल आर्य, आचार्य प्रेमपाल शास्त्री, मंत्री श्री आदर्श आहुजा, कोषाध्यक्ष श्री वेदप्रकाश गोगिया, प्रदीप गोगिया व विनोद गुप्ता। द्वितीय चित्र–अनिल आर्य का स्वागत करते श्री रविदत आर्य, मंत्री आदर्श आहुजा व विनोद गुप्ता। समारोह की अध्यक्षता श्री कीर्ति शर्मा ने की व प्रधान श्री आलोक कुमार ने आभार व्यक्त किया। आचार्य जयप्रकाश शास्त्री ने यज्ञ करवाया।

आर्य समाज, विजय नगर, पुरानी गुप्ता कालोनी, दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न

रविवार, 14 अप्रैल 2019,उत्तरी दिल्ली वेद प्रचार मण्डल व आर्य कुमार सभा किंग्जवे,दिल्ली के तत्वावधान में आर्य समाज,विजय नगर,पुरानी गुप्ता कालोनी में श्री रामनवमी पर्व व आर्य समाज स्थापना दिवस श्री श्रद्धानन्द जी की अध्यक्षता में सोल्लास मनाया गया। चित्र में–प्रधान श्री श्रद्धानन्द जी (आयु–91 वर्ष) का स्वागत करते मुख्य अतिथि अनिल आर्य,मण्डल मंत्री गोपाल आर्य,प्रवीन आर्या,आचार्य रमेशचन्द्र शास्त्री,अशोक नागपाल जी,सुदेश भगत। द्वितीय चित्र–उत्तरी दिल्ली वेद प्रचार मण्डल(पंजीकृत) के प्रधान श्री ओम सपरा का स्वागत करते श्री श्रद्धानन्द,अनिल आर्य,गायक अशोक नागपाल, प्रवीन आर्या, गोपाल आर्य,सुदेश भगत आदि।

गुरूकुल खेड़ाखुर्द,दिल्ली व हरे कृष्णा मन्दिर लाजपत नगर में उत्सव सम्पन्न

गुरूकुल खेड़ाखुर्द में प्रधान चौ.ब्रह्मप्रकाश मान,मन्त्री मनोज मान,अनिल आर्य,प्रवीन आर्या,अरूण आर्य व सौरभ गुप्ता। द्वितीय चित्र–नवसम्वत् समारोह हरे कृष्णा मन्दिर में स्वागत–अजय कपूर,दीपक,रमेश गाडी,अनिल आर्य,आचार्य वीरेन्द्र विक्रम,भारतभूषण साहनी व संयोजक सुरेन्द्र शास्त्री।

आर्य समाज, सैनिक विहार व पंचदीप, पीतमपुरा में यज्ञ सम्पन्न

आर्य समाज, सैनिक विहार,दिल्ली में 121 कुण्डीय यज्ञ सोल्लास सम्पन्न हुआ। प्रधान श्री विनोद गुप्ता, मंत्री श्री विनय खुराना,माता कृष्णा सपरा, तृप्ता आहुजा,सोनल सहगल, अर्चना सरीन,यज्ञदत आर्य,सुनील गुप्ता आदि सारी टीम बधाई की पात्र है। द्वितीय चित्र–आर्य समाज,पंचदीप,दिल्ली का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ। आचार्य सत्यवीर शर्मा के प्रवचन हुए। प्रधान श्री आनन्दप्रकाश गुप्ता व मंत्री श्री मित्रसेन आर्य ने कुशल संचालन किया।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970